an>

Title:Need to give remunerate prices for paddy crop in the country.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : माननीय उपाध्यक्ष जी, भारत सरकार की ओर से देश भर में डायवर्सीफिकेशन ऑफ एग्रीकल्चर का प्रचार किया गया। देश भर के किसानों को कहा गया कि ऐसी फसलों की बुआई हो, जो कम से कम पानी ले और जिनका डयूरेशन ऑफ मेच्युरिटी कम से कम हो। पंजाब जो पानी की धरती माना जाता है, वहां पानी का संकट सामने आ रहा है। पंजाब के किसान ने इसे एडॉप्ट किया। धान की एक फसल है, जिसे बासमती कहा जाता है। उन्होंने बासमती की फसल लगायी और पंजाब सरकार की ओर से उन्हें लगातार बिजली मिली, जिसके कारण फसल भरपूर हुई। पिछले वÂ○ा○ों में उस फसल का मूल्य तीन हजार से लेकर पांच हजार रुपये पर क्विंटल तक मिलता रहा। दुर्भाग्य से इस वÂ○ान चौदह-पन्द्रह सौ रुपये पर क्विंटल ही किसान को मिला। एक्सपोर्ट पालिसी डिले हुई, क्योंकि बाहर के

देशों से समझौते नहीं हो पाये। इस कारण किसान लूटा गया। आज देश में एक्सपोर्ट पालिसी नयी बनी, जिसे अभी मोदी सरकार लेकर आयी है। आज उस फसल का मूल्य तीन हजार रुपये से लेकर पैंतीस सौ रुपये पर क्विंटल मिल रहा है। जो बिचौलिये थे, जो व्यापारी थे, वे करोड़ों रुपये कमा गये, लेकिन किसान लूटा गया।मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि किसान को कहीं न कहीं कम्पेनसेट किया जाये। इस संबंध में हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने भारत सरकार को एक लैटर भी लिखा है।

दूसरा, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि बासमती खरीदने के लिए बासमती कारपोरेशन होनी चाहिए। जैसे सीसीआई, ट्रेड कार्पोरेशन है, वैसे ही बासमती की कार्पोरेशन होनी चाहिए। एमएसपी की 22 फसलें हैं। इन 22 फसलों में से 23वीं फसल इस बासमती को दी जाये तथा किसान को कम कास्ट में खरीदी गयी बासमती के बढ़ते कम्पेनसेशन दिया जाये।

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Prem Singh Chandumajra.

19.00 hours